ओडीओपी समिट में बांटे जाएंगे 500 करोड़ रुपये के ऋण पत्र

10 अगस्त को राष्ट्रपति कोविंद करेंगे एक जिला एक उत्पाद समिट का उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की समिट की तैयारियों की समीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 10 अगस्त को होने वाले ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) समिट में 500 करोड़ रुपये के ऋण पत्र बांटे जाएंगे। इनमें से 100 करोड़ रुपये के ऋण पत्र मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रपति अपने हाथों से बांटेंगे। शेष राशि के ऋण पत्र चयनित लाभार्थियों को उसी दिन जिलों में दे दिए जाएंगे। यह जानकारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सत्यदेव पचौरी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समिट की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि ओडीओपी समिट का उद्घाटन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। राज्यपाल राम नाईक व मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे। 10 अगस्त को जो ऋणपत्र जिलों में बांटे जाएंगे, उसे वीडियो स्क्रीन पर लाइव देखने की व्यवस्था मुख्य कार्यक्रम स्थल पर होगी। वहां हस्तशिल्पियों को टूल किट दी जाएगी। साथ ही, कुटीर व छोटे उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर और वेबसाइट की लॉन्चिंग भी की जाएगी।

समिट में विभिन्न जिलों के उत्पादों की होंगी 268 स्टॉल : ओडीओपी समिट में 4 हजार डेलीगेट हिस्सा लेंगे। इनमें करीब तीन हजार हस्तशिल्पी और उद्यमी होंगे। विभिन्न जिलों के उत्पादों की कुल 268 स्टॉल होंगी, जो 10 से 12 अगस्त तक लगेंगी। यहां बिक्री

के लिए भी उत्पाद उपलब्ध रहेंगे। पचौरी ने कहा, ओडीओपी के तहत उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए निदेशक (उद्योग) की अध्यक्षता में एक कमेटी भी कार्य कर रही है। भुगतान न होने संबंधी शिकायतें भी इस कमेटी से या टोल फ्री नंबर पर की जा सकेंगी।

प्रत्येक जिले में खोले जाएंगे ओडीओपी स्टोर : एमएसएमई सचिव भुवनेश कुमार ने बताया कि प्रत्येक जिले में ओडीओपी उत्पादों के स्टोर खोलने पर विचार किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और अन्य सार्वजनिक स्थान भी इसके लिए चयनित किए जाएंगे।

नौ जिलों में अपने खर्चे पर उत्पाद बेचेगी अमेजन

पचौरी ने बताया कि 'एक जिला-एक उत्पाद' के तहत बनाई गई योजनाएं दो साल के भीतर पूरी तरह से मूर्त रूप ले लेंगी। इन उत्पादों की देश व विदेश में बिक्री के लिए भी समुचित कदम उठाए जाएंगे। प्रदेश के नौ जिलों- गोरखपुर, आगरा, वाराणसी, मुरादाबाद, मेरठ, कानपुर, अलीगढ़, भदोही व फिरोजाबाद में अमेजन अपने खर्चे पर इन उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री करेगी। इस बाबत 10 अगस्त को ही एमओयू भी साइन किया जाएगा। अमेजन की वेबसाइट पर ओडीओपी का अलग से एक लिंक होगा, जहां जाकर ये उत्पाद खरीदे जा सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म फ्लिपकार्ट, अलीबाबा और स्नैपडील से भी बात चल रही है।

एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित करने का लक्ष्य

पचौरी ने बताया कि वर्ष 2017-18 में एमएसएमई के माध्यम से 89 हजार करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई थी। चालू वित्त वर्ष में इस लक्ष्य को बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि ओडीओपी उत्पादों से भी विदेशी मुद्रा अर्जित करने की विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। देश-विदेश में उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए उद्यमियों और व्यापारियों को ऋण सुविधा दी जाएगी। इनमें 25 प्रतिशत मार्जिन मनी के रूप में दिया जाएगा। 15 प्रतिशत लाभार्थी को स्वयं लगाना होगा और शेष बैंक लोन होगा। उन्होंने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट के तहत एमएसएमई सेक्टर में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।